भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3361

07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र

†3361. श्री राजू बिष्ट:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीवीबीडीसी) के अंतर्गत पश्चिम बंगाल को वर्ष-वार कुल कितनी वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की गई है;
(ख) क्या सरकार ने उत्तरी बंगाल के जिलों के ग्रामीण और चाय बागान क्षेत्रों में डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफलाइटिस और स्क्रब टाइफस जैसे वेक्टर जनित रोगों के मामलों में वृद्धि दर्ज की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में निगरानी और वेक्टर नियंत्रण अवसंरचना का मूल्यांकन करने और उसे सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है तथा स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। तथापि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत पश्चिम बंगाल सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के आधार पर तथा उनके समग्र संसाधन आवंटन की सीमा के भीतर वेक्टर-जनित रोगों के नियंत्रण के लिए एकीकृत रूप से वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

पिछले पाँच वर्षों के दौरान वर्षवार प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
करोड़ रूपये में	12.96	13.6	14.28	35.98	31.25

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एसीवीबीडीसी), राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) नामक एक समावेशक कार्यक्रम का संचालन करता है, जिसका उद्देश्य वेक्टर-जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण करना है।

वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के दौरान उत्तरी बंगाल के जिलों से रिपोर्ट किए गए डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस तथा स्क्रब टाइफस के मामलों का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

देश में, विशेष रूप से उत्तरी बंगाल के ग्रामीण एवं चाय-बागान क्षेत्रों सहित, वेक्टर-जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण तथा निगरानी एवं वेक्टर नियंत्रण अवसंरचना के मूल्यांकन एवं सुदृढ़ीकरण के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं—

- राज्यों को रोग प्रबंधन, रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तकनीकी दिशानिर्देश उपलब्ध कराए गए हैं।
- रोग प्रबंधन के अंतर्गत सक्रिय, निष्क्रिय एवं प्रहरी निगरानी के माध्यम से रोगियों की शीघ्र पहचान, तत्पश्चात पूर्ण एवं प्रभावी उपचार, रेफरल सेवाओं का सुदृढ़ीकरण, महामारी के प्रति तैयारी तथा त्वरित अनुक्रिया व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है।
- एकीकृत वेक्टर प्रबंधन के अंतर्गत चयनित उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में कीटनाशकों का अवशिष्ट अंतःछिड़काव, मलेरिया की उच्च स्थानिकमारी क्षेत्रों में दीर्घकालिक कीटनाशी मच्छरदानियों का वितरण, लार्वाभक्षी मछलियों का उपयोग, लार्वा-रोधी उपाय, स्रोतों का उन्मूलन तथा प्रकोप की स्थिति में फॉगिंग की जाती है।
- अंतर्विभागीय समन्वय के अंतर्गत संबंधित मंत्रालयों के साथ उच्च-स्तरीय समन्वय, क्षमता निर्माण के माध्यम से मानव संसाधन विकास तथा नीतिगत विकास को प्रोत्साहित किया जाता है।
- व्यवहार परिवर्तन संचार के माध्यम से सोशल मीडिया, रेडियो, समाचार-पत्र तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों द्वारा जनस्वास्थ्य संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है।
- वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म–वेक्टर जनित रोग (आईएचआईपी-वीबीडी) पोर्टल पर आँकड़े दर्ज करने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों एवं समीक्षाओं के आधार पर रोग की स्थिति की नियमित निगरानी की जाती है।
- डेंगू एवं जापानी इंसेफेलाइटिस की निगरानी तथा निःशुल्क निदान के लिए देशभर में प्रहरी निगरानी अस्पतालों तथा शीर्ष रेफरल प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क स्थापित किया गया है। एनसीवीबीडीसी द्वारा चिन्हित सभी प्रयोगशालाओं को आईजीएम परीक्षण किट निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

- मलेरिया एवं अन्य वेक्टर-जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सरकार राज्य स्वास्थ्य विभागों तथा शहरी स्थानीय निकायों के साथ सक्रिय समन्वय स्थापित करते हुए स्वच्छता को बढ़ावा देने, मच्छर नियंत्रण उपायों को सुदृढ़ करने तथा जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है।
- मलेरिया के प्रकोप से प्रभावी ढंग से निपटने तथा इसके आगे प्रसार को रोकने के लिए सरकार ने देशभर के सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं अस्पतालों में निदान किटों तथा मलेरिया-रोधी औषधियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है।

अनुलग्नक-I

दिनांक 07.08.2026 को उत्तर दिए जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3361 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के दौरान उत्तर बंगाल के जिलों से रिपोर्ट किए गए मामलों का विवरण

क्र. सं.	**बीमारी का नाम**	**2023**	**2024**	**2025**
1	डेंगू	10247	7195	3621
2	मलेरिया	953	2215	2886
3	जापानी एन्सेफलाइटिस	28	11	18
4	स्क्रब टाइफस	1300	907	1251

*****